TIMES OF INDIA, Delhi, 21.3.2025
Page No. 02, Size:(18.59)cms X (19.04)cms.

After Four-Year Pause, Work On Chilla Elevated Road Resumes

To Make Delhi-Noida Commute Seamless, Ease Snarls Near Film City

Aditya.Dev@timesofindia.com

Noida: Stalled for nearly four years over funding and logistical challenges, work on the six-lane Chilla elevated road resumed this week and is likely to be completed over the next three years. A bhoomi pujan was held Thursday to mark the resumption of construction.

The elevated road spanning 5.9 km will connect Delhi's Chilla Regulator near Mayur Vihar to Mahamaya flyover on Noida Expressway. At present, commuters using Delhi-Noida Link Road face severe traffic congestion between Sector 14A and Mahamaya flyover, often spending up to an hour navigating the stretch.

"This elevated road is designed to alleviate this bottleneck and allow seamless movement between Delhi and Noida. Once completed, the elevated road is expected to reduce traffic congestion near Sector 14A/15A and Film City, improving vehicular flow on the Noida Expressway. It will also ease traffic moving towards Greater Noida, Sector 37, Kalindi Kunj and Faridabad," Noida CEO Lokesh M said.

Uttar Pradesh State Bridge Corporation Ltd (UPSBCL), which is executing the project, appointed a contractor in Dec last year, which has since submitted the elevated road's design to IIT-Delhi for vetting. MG Contractors bagged the contract by offering a 7% lower price.

Sandeep Gupta, joint managing director of the bridge corporation, said, "The contractor has already mobilised machinery and workers. First up is piling. Initial work will be done using machines, so 50 workers have been deployed, but their numbers will be increased as work progresses."

The elevated road will run parallel to the right bank of the Shahdara drain and have five ramps and loops. The ramps will allow vehicles to access the elevated road from Sectors 14 and 15 towards Mahamaya Flyover, exit at Sector 16 on the Delhi carriageway, enter at Sector 16 towards Mahamaya flyover, and provide an exit for vehicles coming from Mahamaya flyover towards DND. An additional ramp will allow traffic from Delhi to exit at Sector 18.

The project is being built at a revised budget of Rs 893 crore. Conceived in 2012, it encountered numerous setbacks. The first was a six-year dormant period. It was only in 2018, that it received approval from the Delhi govt. Subsequently, CM Yogi Adityanath laid the foundation stone in Jan 2019, following which work began with Noida Authority's funds.

The road ran into hurdles as PWD, which is jointly funding the project, delayed the release of funds and a GAIL gas pipeline requiring partial realignment. In March 2020 came the Covid pandemic, which slowed down the project again.

Between 2021 and now, there has been no work at the site. On paper, the road is 13% ready. The last three years passed in multiple budget revisions and back and forth between departments on approvals.

In 2022, the construction agency requested the budget to be increased from Rs 605 crore to Rs 1,076 crore, citing rising material costs and design changes. But Noida rejected the proposal. Subsequently, UPSBCL agreed to a revised budget of Rs 912 crore. But a third-party consultant was appointed to review the cost, leading to another round of revision. After this, the cost came down to Rs 801 crore.

In June 2023, UP approved a budget of Rs 787 crore, saying the amount would be equally shared between the govt and Noida Authority. But in Oct 2023, UPSBCL again requested the budget to be increased to Rs 940 crore, arguing the previous estimate was based on 2018 market rates.

After govt granted in-principle approval for this revision, a tender was floated, but no companies could be selected. Eventually, MG Contractors secured the project by offering a 7% lower price.

WHAT DELAYED THE PROJECT

2012 | Project is conceived

Aug 2018 | UPSBCL appointed as executing agency

Dec | Clearance received from Delhi's irrigation department

Jan 2019 | CM Yogi Adityanath lays foundation stone
➤ Construction begins, but delays occur as PWD withholds funds

March 2020 | Covid pandemic halts construction

July-Aug | Noida Authority requests funds from UP govt

Oct 2021 | Work resumes, but halts again due to lack of funds

April 2022 | UPSBCL revises budget to Rs 1,076 crore, citing material cost hikes and design changes
➤ Noida Authority rejects it

Sept | Revised estimate of Rs 912 crore submitted for GAIL pipeline adjustments

Nov | Third-party consultant reduces cost to Rs 801 crore after review

June 2023 | UP approves Rs 787 crore budget under Gati Shakti, Noida to cover the rest

Oct | UPSBCL requests revised budget of Rs 940 crore; govt gives in-principle approval for revision

Nov | Tender issued, but only 2 out of 6 companies qualify, quoting above the estimated cost

June 2024 | MG Contractors wins with a 7% lower bid

Aug | Budget is finalised at Rs 893 crore

Dec | Contractor is appointed; it submits project layout to IIT-Delhi for vetting

March 2025 | Work resumes, contractor given 3 years to complete project

Photo: Yogesh Kumar

On paper, the project is 13% complete

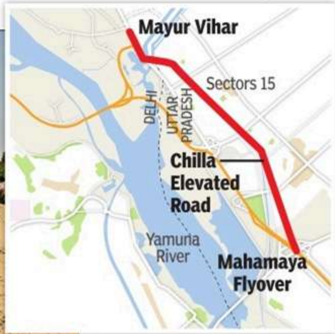

DAINIK JAGRAN (JAGRAN CITY), Ghaziabad, 21.3.2025
Page No. 5, Size:(21.34)cms X (18.27)cms.

चिल्ला एलिवेटेड रोड का शुरू हुआ निर्माण

नोएडा प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम ने भूमि पूजन कर निर्माण की औपचारिक शुरुआत कराई

जागरण संवाददाता, नोएडाः महामाया फ्लाईओवर के नीचे से सेक्टर-14 प्रवेश द्वार तक प्रतिदिन लगने वाले यातायात जाम की समस्या के स्थायी निदान पर काम शुरू हो गया है। नोएडा प्राधिकरण ने 5.589 किमी लंबी छह लेन की चिल्ला एलिवेटेड रोड का निर्माण फिर से निर्माण शुरू कर दिया है। बृहस्पतिवार को शहदरा ड्रेन के किनारे प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम ने भूमि पूजन कर औपचारिक शुरूआत की। तीन साल परियोजना को पूरा करने की समयसीमा निर्धारित की है। ऐसे में काम पूरा होने पर चिल्ला एलिवेटेड रोड 10 लाख वाहनों को रफ्तार देगी।

एलिवेटेड रोड से नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-14 ए /15 ए एवं सेक्टर-16 ए स्थित फिल्म सिटी के समीप यातायात का दबाव कम हो सकेगा। प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम के भूमि पूजन के बाद कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-14 ए प्रवेश द्वार से महामाया फ्लाईओवर तक प्रतिदिन 10 लाख लोगों को भीषण यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। समस्या के समाधान के लिए चिल्ला एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जा रहा है। एलिवेटेड रोड के निर्माण के बाद इस रोड से यातायात दिल्ली के मयूर विहार फ्लाईओवर से प्रारंभ होकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सीधे महामाया फ्लाईओवर तक पहुंचेगा।

3 साल में पूरी होगी परियोजना, यातायात जाम से लोगों को मिलेगी निजात

605 करोड़ थी प्रारंभिक लागत, अब बढ़कर हुई 892.75 करोड़ रुपये

चिल्ला एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य शुरू होने से पहले पूजा अर्चना करते नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डाक्टर लोकेश एम • जागरण

मार्च 2020 में रुक गई थी परियोजना

वर्ष 2018 में दिल्ली सरकार से मंजूरी मिलने के बाद जनवरी 2019 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परियोजना की आधारशिला रखी थी। लोक निर्माण विभाग से बजट जारी होने में देरी, गेल गैस पाइपलाइन के पुन : मार्ग और डिजाइन में बदलाव के कारण मार्च 2020 में काम रुक गया। बढ़ती निर्माण सामग्री लागत और टेंडर कास्ट का हवाला देकर अक्टूबर 2023 में संशोधित बजट 940 करोड़ रुपये हुआ। इस परियोजना से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, आवाजाही काफी आसान हो जाएगी। इसके लिए कुछ वर्ष इंतजार करना होगा।

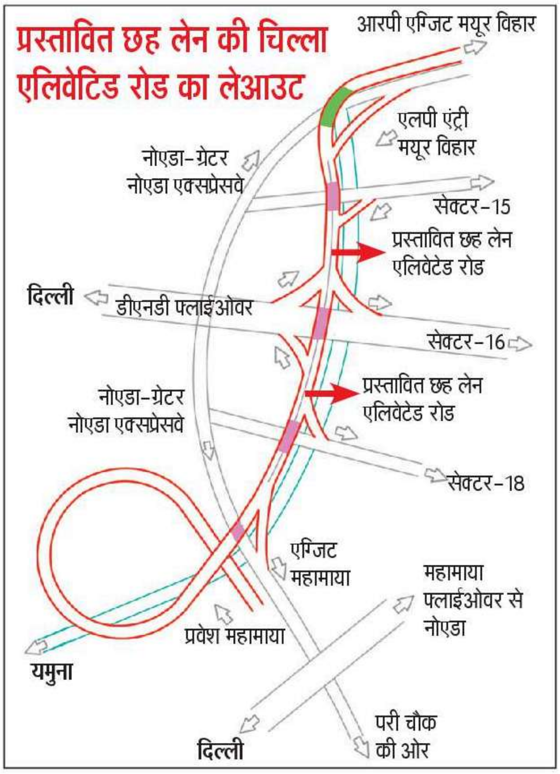

जो कि नोएडा एवं दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ेगा। इस एलिवेटेड रोड के निर्माण से यातायात को सुविधा प्रदान होगी। एक्सप्रेसवे पर सेक्टर 14 ए से महामाया फ्लाईओवर तक यातायात घनत्व कम हो सकेगा। इसके अतिरिक्त एलिवेटेड रोड के निर्माण से दिल्ली के मयूर विहार की ओर से नोएडा आने वाला यातायात निर्बाध गति से एक्सप्रेस-वे के माध्यम से ग्रेटर नोएडा एवं सेक्टर-37 की ओर महामाया फ्लाईओवर से सीधे कालिंदीकुंज एवं फरीदाबाद की और आवागमन कर सकेगा। इस मौके पर प्राधिकरण विशेष कार्याधिकारी महेंद्र प्रसाद, उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय कुमार रावल, वर्क सर्किल दो वरिष्ठ प्रबंधक कपिल देव सिंह परियोजना की कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश सेतु निगम लिमिटेड महाप्रबंधक संदीप गुप्ता, मुख्य परियोजना प्रबंधक शशि भूषण, परियोजना के संविदाकार एमजी कंट्रेक्टर्स प्रतिनिधि मौजूद रहे।

DAINIK JAGRAN, Delhi, 21.3.2025
Page No. 1, Size:(10.95)cms X (12.77)cms.

चिल्ला एलिवेटेड रोड से 10 लाख वाहनों का आवागमन होगा सुगम, निर्माण शुरू

दिल्ली के मयूर विहार से प्रारंभ होकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे तक जाएगा

जागरण संवाददाता, नोएडा : महामाया फ्लाईओवर के नीचे से सेक्टर-14 प्रवेश द्वार तक प्रतिदिन लगने वाले यातायात जाम की समस्या के स्थायी निदान पर काम शुरू हो गया है। नोएडा प्राधिकरण ने 5.589 किमी लंबी छह लेन की चिल्ला एलिवेटेड रोड का निर्माण फिर से निर्माण शुरू कर दिया है। बृहस्पतिवार को शहदरा ड्रेन के किनारे प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम ने भूमि पूजन कर औपचारिक शुरूआत की। तीन साल परियोजना को पूरा करने की समयसीमा निर्धारित की है। ऐसे में काम पूरा होने पर चिल्ला एलिवेटेड रोड 10 लाख वाहनों को रफ्तार देगी।

एलिवेटेड रोड से नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-14 ए /15 ए एवं सेक्टर-16 ए स्थित फिल्म सिटी के समीप यातायात का दबाव कम हो सकेगा। प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम के भूमि पूजन के बाद कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-14 ए प्रवेश द्वार से महामाया फ्लाईओवर तक प्रतिदिन 10 लाख लोगों को भीषण यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। समस्या के समाधान के लिए चिल्ला एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जा रहा है।

एलिवेटेड रोड के निर्माण के बाद इस रोड से यातायात दिल्ली के मयूर विहार फ्लाईओवर से प्रारंभ होकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सीधे महामाया फ्लाईओवर तक पहुंचेगा। एक्सप्रेसवे पर सेक्टर 14 ए से महामाया फ्लाईओवर तक यातायात घनत्व कम हो सकेगा। इसके अतिरिक्त एलिवेटेड रोड के निर्माण से दिल्ली के मयूर विहार की ओर से नोएडा आने वाला यातायात निर्बाध गति से एक्सप्रेस-वे के माध्यम से ग्रेटर नोएडा एवं सेक्टर-37 की ओर महामाया फ्लाईओवर से सीधे कालिंदीकुंज एवं फरीदाबाद की और आवागमन कर सकेगा।

2012 में परियोजना की फिजिबिलिटी तैयार की गई

13 प्रतिशत निर्माण कार्य हुआ, अब तक खर्च हुए हैं 79 करोड़

605 करोड़ रुपये थी परियोजना के प्रारंभिक लागत

प्रस्तावित छह लेन की चिल्ला एलिवेटेड रोड का लेआउट

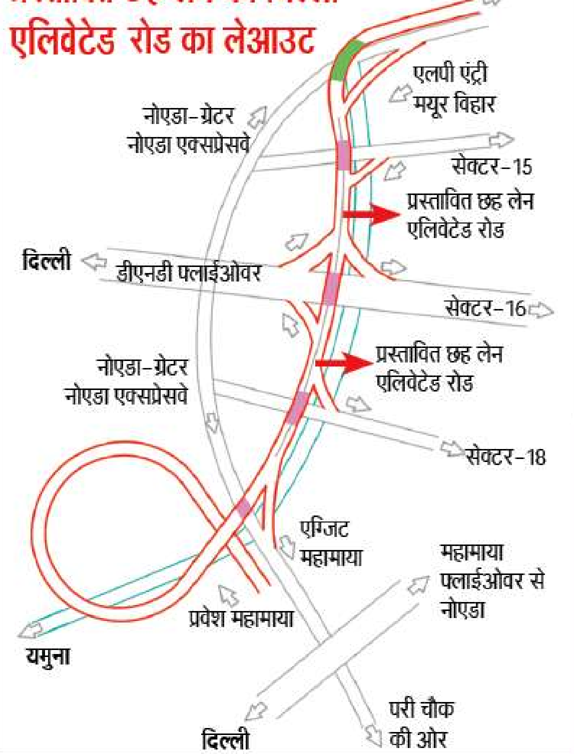

चिल्ला एलिवेटेड रोड परियोजना की स्थिति

परियोजना	चिल्ला एलिवेटेड रोड (मयूर विहार दिल्ली से नोएडा महामाया फ्लाईओवर तक)
कुल लंबाई	5.589 किमी
चढ़ने उतरने के लिए	पांच लूप
कुल लागत	892.75 करोड़
परियोजना पूर्ण करने की तिथि	36 माह
कुल पिलर	296
चौड़ाई	छह लेन

2020 में रुक गया था काम

जनवरी 2019 में मुख्यमंत्री योगी ने परियोजना की आधारशिला रखी। लोक निर्माण विभाग से बजट जारी होने में देरी, गेल गैस पाइपलाइन के पुनः मार्ग और डिजाइन में बदलाव के कारण मार्च 2020 में काम रुक गया। अक्टूबर 2023 में संशोधित बजट 940 करोड़ हुआ।